ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol-2* Issue-1* February-2017
Innovation The Research Concept

पुस्तक समीक्षा

डॉ सन्तोष कुमार तिवारी की समीक्षा दृष्टि

अनीता नायक
विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय,
दमोह, म0 प्र0

एक लेखकीय व्यक्तित्व की श्रेष्ठ समीक्षा दृष्टि की गहन संवेदना डॉ0 संतोष कुमार तिवारी के आलोचना साहित्य की पहचान है। कवि और रचना के वैशिष्ट्य की अद्भुत क्षमता के साथ–साथ वे तुलनात्मक समीक्षा दृष्टिकोंण भी प्रतिपादित करते हैं। वे शस्त्रीय समीक्षा दृष्टि का उचित समायोजन व संतुलन उनकी सार्थक समीक्षा का श्रेष्ठ दायित्व बोध और उनके शिष्टता सम्पन्न व्यक्तित्व का परिचायक है। एक सार्थक सर्जना का मूल सत्य उनकी रचना धर्मिता का सौंदर्य बोध और प्रखर समीक्षा दृष्टि का अद्भुत मणिकंचन योग है।

मुख्य शब्द : बहुआयामी प्रतिभा, शिक्षाविद, तात्विक विवेचन, उन्नायक सूत्रों, मानवीय प्रयोजन, उज्जवल और भास्वर मानवीय ऊष्मा, तार्किक विश्लेषण मानवीय करूणा निष्पक्ष दृष्टि, वैचारिक वातायन।

समीक्षा

डॉ0 तिवारी के लेखन में आलोचना का प्रावल्य उनके साहित्य धर्मों सचेतक वियरों का प्रतिष्ठापन है। एक समेर्पित साहित्य सर्जक की साहित्य चेतना और चिंता दोनों ही उनके लेखन औदात्य का प्रतिपादन है।

विषय वस्तु

प्रथम अध्याय
सामर्थ्य एवम् सर्जना
व्यक्तित्व
साहित्यिक दृष्टि
कृतित्व
द्वितीय अध्याय
समीक्षा–परिदृश्य
आलोचना साहित्य
प्रमुख समीक्षक
हिन्दी समीक्षक के मानक स्तम्भ
हिन्दी समीक्षकः वर्तमान परिदृश्य डॉ0 धनंजय वर्मा
डॉ0 सन्तोष कुमार तिवारी : समीक्षा दृष्टि
समीक्षा प्रतिमान
तृतीय अध्याय
वैविध्य का रचना शिल्प
व्यंग्य
संस्मरण
साहित्यिक निबन्ध
लघुकथा
भूमिका लेखन
भाषा शिल्प
उपसंहार
परिशिष्ट
आत्मवृत्त

डॉ0 अनीता
प्रकाशक : गोविन्द पचौरी
जवाहर पुस्तकालय हिन्दी पुस्तक प्रकाशक एवं वितरक
सदर बाजार, मथुरा (उ0 प्र0)–281001
संस्करण : सन् 2009
मूल्य : 350.00
आवरण : उमेश शर्मा

मुद्रक : रूचिका प्रिंटर्स, दिल्ली– 110032

डॉ अनीता नायक
बी0 एस0 सी0 एम0 ए0 पी0 एच0 डी0 (हिन्दी) सहायक प्राध्यापक, शोध निद्रशक हिन्दी शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, दमोह (उ0 प्र0)।
लेखन : काव्य : अन्तरतम्, अंतस, उपन्यास : अन्तराल, मोक्ष, आख्या, समीक्षा : कृष्णा सोबती के कथा–साहित्य में स्त्री का स्वरूप, प्रेमचन्द का सूक्ति संसार, भाग–1, एक साहित्यिक की डायरी अस्तित्वबोध का दर्शन (मुक्तिबोध), समय सरगम : जीवन की सुर ध्वनि (कृष्णा सोबती)
सम्मान एवम् पुरस्कार : केशवचन्द्र स्मृति पुरस्कार 2007 (काव्य), कादम्बिनी संस्था लखनऊ (उ0 प्र0), 'कमला चौबे स्मृति पुरस्कार' 2008 म0 प्र0 लेखक संघ, भोपाल (म0प्र0)
सम्पादन : 'अभ्यर्थना' वार्षिक हिन्दी पत्रिका दमोह म0 प्र0 (शोध एवम् सृजन)